निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी.पी.पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

सलाह पत्रक

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

टॉप टेन

उपयोग: यह सशी प्रकार के रस चुसक कीट व सशी तरह कि इल्लियों को नियंत्रित करता है।

सामग्री

गौ मूत्र
500 मि.ली

गाय का गोबर
500 ग्राम

पानी
20 लिटर

नीम की पत्तियां
500 ग्राम

टॉप टेन के लिये उपयुक्त पौधे

टॉप टेन के लिऐ हम 9 प्रकार के पौधो कि ताजि हरि पत्तीया लेते हैं व 10 वे पौधो के रूप मे निम, (निचे पौधो के कमबद्ध नाम दिये है व इसी कम मे दाई और इनके फोटो लगाये गये हैं।)

200 ग्राम ताजी हरी 9 पौधों की पत्तियां

1. अरण्डी (Ricinus communis)
2. सिताफल (Annona squamosa)
3. निरगुड (Vitex negundo)
4. तामेसर (Ipomoea carnea)
5. कनेर (Nerium indicum)
6. धतुरा (Datura festiosa)
7. करंज (Pongamia pinnata)
8. पपिता (Carica papaya)
9. अॅकाव (Calotropis procera)

उपरोक्त पौधो मे से कोई पौधे उपलब्ध न होने पर ,कोई दुसरे जंगली औषधिय पौधे जिन्है पषु न खाते हो उपयोग मे ले सकते है।

असर प्रणाली

टॉप टेन का आसर ;ताकतद्ध उसके अधिक कडवेपन, सडने और दुसरी लवणीय प्रकियॅाआ के कारण होता है।

मात्राः	1 लिटर टॉप टेन प्रति पम्प (15 लिटर पानी में) स्तेमाल करे
रखने की अवधिः	इसे 4 दिन के श्तिर उपयोग कर ले
सीमाएः	अब कोई सिमाऐं नहीं
सकिय तत्वः	विशीन्न प्रकार के लवण

साधन

* 2 छोटे ड्रम
* छानने के लिये कपडा
* आधा लिटर ($^1/_2$) का नाप
* पत्तियॅा काटने के लिये दराता या फरसा
* घोलने के लिये लकडी

बनाने कि विधि

चरण 1: पत्तियों को दराता या फरसे कि मदद से बारिक काट लें।

चरण 2:

ड्रम के अन्दर पानी, गौमुत्र व गाय का गोबर डालें बाद मे काटि हुई पत्तिया डालें और लकडी की सहायता से अच्छी तरह मिला दें।

चरण 4: मिश्रण को दुसरे ड्रम के अन्दर कपडे कि सहायता से छान ले।

चरण 3:

ड्रम को छाया वाले स्थान पर रखें व उसके मुॅह को कपड़े से बांध दें व इसे 4 से 7 दिन रखें, रोज लकडी की सहायता से मिश्रण को चलाते रहें।